ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

FOR GOD AND COUNTRY

Study Material-3
CLASS – IX

SUBJECT – HINDI **F.M. –20**
CHAPTER NAME- बहू की विदा **DATE-06.05.2020**

क प्रश्नों के उत्तर को पढ़कर याद कीजिए।

प्रश्न१.जीवनलाल कौन थे ? +1

उत्तर. जीवन लाल एक धनी व्यक्ति थे ।

प्रश्न २.राजेश्वरी कौन थी ? +1

उत्तर .राजेश्वरी जीवनलाल की पत्नी थी ।

प्रश्न३.जीवनलाल का आखिरी फैसला क्या था ? +1

उत्तर. जीवनलाल का आखिरी फैसला यही था कि जब तक दहेज़ के पांच हजार रुपये नहीं मिलेंगे तब तक कमला की विदाई नहीं होगी ।

प्रश्न४.जीवनलाल सोफे पर बैठ कर क्या कर रहे थे ? +1

उत्तर. जीवनलाल सोफे पर बैठ कर जमाही ले रहे थे ,उनको देखकर ऐसा लगता था कि प्रमोद की बाते सुनकर ऊब रहे हो ।

प्रश्न५ .गोरी की शादी में जीवनलाल ने क्या किया था ? +2

उत्तर.गोरी की शादी में जीवनलाल ने बारातियो की इतनी खातिरदारी की थी कि वे दंग रह गए थे और मेने इतना दहेज़ दिया था कि देखने वाले दातो तले ऊँगली दबा लिए थे ।

प्रश्न६.प्रमोद जाने से पहले क्या करना कहता था ? +1

उत्तर. प्रमोद जाने से पहले अपनी बहन कमला से मिलना चाहता था ?

प्रश्न७.बहू की विदा कहानी में राजेश्वरी का सवभाव केसा था? +1

उत्तर.बहू की विदा कहानी में राजेश्वरी का सवभाव बहुत ही अच्छा और वात्सलय से परिपूर्ण था

प्रश्न ८."अब भी आँखें नहीं खुली "प्रस्तुत कथन किसका किसके लिए है ? +1

उत्तर. प्रस्तुत कथन राजेश्वरी का है ।वह अपने पति जीवनलाल से कहती है ।

प्रश्न ९."कभी -कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है" यहाँ किसके चोट की बात कही गई है ? +2

उत्तर. यहाँ जीवनलाल के उस चोट की बात कही जा रही है जो गोरी के ससुराल वालो ने उन्हें दी थी ,अब जीवन लाल को पता चलता है कि जब बेटे वाले जब बहू को विदा नहीं करते है तो घर वालो और उसके माता -पिता को कैसा लगता है ।

प्रश्न१०.माँ के दिल टूटने की बात पर जीवनलाल प्रमोद से क्या कहता है ? +2

उत्तर. प्रमोद जब कहता है कि अगर कमला की विदाई नहीं कीजियेगा तो माँ का दिल टूट जायेगा तब जीवन लाल कहता है कि इतना ही माँ की चिंता थी तो दहेज़ पूरा क्यों नहीं दिए ।

प्रश्न ११.विनोद रस्तोगी जी का संक्षिप्त जीवन परिचय ? +2

उत्तर. विनोद रस्तोगी का जनम सन् १२३ में हुआ था ।उन्होंने अपनी आरम्भिक शिक्षा फरुखाबाद में ही किये ।लेखक ने आरम्भिक काल से ही अपनी लेखनी के कारण प्रसिद्ध प्राप्त करते रहे ।

उनकी रचनाये - आजादी के बाद ,तूफ़ान और तिनका ,रोटी वाली गली ।

प्रश्न12." बहू की विदा "एकांकी का सारांश अपने शब्दों में लिखे ? +5

उत्तर . बहू की विदा एकांकी के माध्यम से लेखक हमे आज के आधुनिक समाज में घटने वाली घटना जो दहेज़ प्रथा से सम्बन्धित है उस समस्या को इसमें उजागर करते हुए पूरे समाज को अवगत करने की कोशिश इस एकांकी के माध्यम से करते है ।

हमारा समाज ऐसे वेक्तियो का समूह है जो अपने स्वार्थ के कारण दूसरों को दुखः पहुंचाते है । इस एकांकी में जीवनलाल ऐसे ही का रूप है ।जीवनलाल एक धनी यक्ति होने के साथ -साथ एक दहेज़ लोभी और कठोर है।प्रमोद जब अपनी बहन कमला को विदाई करवाने आता है तो जीवनलाल कमला की विदाई करने से मना कर देते है और प्रमोद से कहता है कि पहले वो दहेज़ के ५००० रुपया मेरे को दो तभी तुम्हारी बहन की विदाई होगी ।

प्रमोद बहुत ही संस्कारी लड़का था वह सारी बाटे सुन रहा था ,फिर जब रुपया देने की बात आई तो वह कहता है की पैसे इतना कहा से लाऊंगा जो कुछ भी था कमला की शादी में चला गया ।इस सब बातों को जीवनलाल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ,वह अपनी तारीफ में कहता है कि देखो मेने अपनी बेटी की शादी किया तो क्या -क्या मेने नहीं दिया सभी लोग देखते ही रह गे ।

देखो मेरा लड़का गया है मेरी बेटी को लेन के लिए ,मेरी बेटी आती होगी यह कहकर वह घर की तैयारी देखने चला गया ।जाने से पहले प्रमोद अपनी बहन से मिलना कहता था वह जब मिलता है अपनी बहन से तो कहता है तुम रो मत में तुम्हारा विदाई जरूर करवाने आऊंगा और मरहम भी लाऊंगा । इधर देखता है जीवनलाल की उसकी बेटी की विदाई उसके ससुराल वालो ने नहीं किया ।

यह सुनकर जीवनलाल कहता है कि एसा उन्होंने क्यों किया मेने तो कोई कमी नहीं की थी । तब राजेश्वेरी कहती है कि अब तो अपनी आँखे खोलिये तब जीवनलाल को एहसास होता है की बेटी वाले अपना सीना चीर कार भी लड़के वाले को क्यों न दे दे उनको कमी ही रहेगी ।प्रमोद से जीवनलाल कहता है कि आज से कमला मेरी बहू नहीं बेटी है ।

Sonia Gupta